श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- माण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 25 * अंक : 4 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 15 मई 2019 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

श्री माण्डवपुर महातीर्थ में वर्षीतप पारणा व भव्य वरघोड़ा

विश्वास से घर स्वर्ग व अविश्वास से नर्क बनता है

-मुनिराजश्री आनन्दविजयजी

उदयपुर, (स. सं),

परम पूज्य पुण्य-सम्राट राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय धर्मदिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, सूरिमन्त्र आराधक, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा., मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमणिवृन्द की पावन निश्रा में वैशाख शुक्ला अक्षय तृतीया के महापर्व दिनांक 7-5-2019 को अतिप्राचीन श्री माण्डवपुर तीर्थ में वर्षीतप के तपस्वियों के सामूहिक पारणे उल्लास के साथ कराये गए।

मुनिराजश्री एवं श्रमणिवृन्द की शुभ निश्रा में वर्षीतप आराधना के तपस्वीरत्नों का भव्य वरघोड़ा जिसमें ध्वज, सुसज्जित रथ में श्री कान्तिलालजी मंसाली बागोड़ा, श्रीमती पवनीदेवी मंसाली बागोड़ा, श्रीमती पुष्पादेवी ओबाणी, पोषाणा, श्रीमती लीलादेवी मंसाली, पाँथेड़ी तपस्वी विराजमान थे। बैण्ड-बाजे, ढोल सहित जैन समाज की महिलाएँ पारम्परिक परिधान में सिर पर मंगल कलश लिए चल रही थीं। बैण्ड एवं ढोल की मधुर ताल पर युवा शक्ति भक्ति गीतों पर नृत्य करते चल रहे थे। वरघोड़े में सम्मिलित श्रावक-श्राविका वर्ग आदिनाथ प्रभु एवं गुरुदेव के जयकारों से पूरे वातावरण को गुँजायमान कर रहा था।

वरघोड़ा परिभ्रमण करके तीर्थ परिसर पहुँचा जहाँ सभी ने प्रभु-गुरु दर्शन-वन्दन किए और धर्मसभा में परिवर्तित हो गया। धर्मसभा में प्रवचन प्रदान करते हुए

कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने वर्षीतपाराधना का महत्त्व बताते हुए इसकी महत्ता बताई।

मुनिराजश्री ने कहा कि विश्वास पर ही परिवार, समाज एवं संसार टिका है। विश्वास के साथ जीवन जीना मुश्किल होता है। यदि विश्वास हो तो हम अपना घर तक नौकर के भरोसे छोड़ देते हैं। वर्तमान में कई परिवारों में नकारात्मक सोच व परिवार के सदस्यों पर अविश्वास क्यों हो रहा है ? यह विचार करें। जिस प्रकार एक कड़ी दूसरे से जुड़कर गले का हार बनती है उसी प्रकार परिवार की कड़ियाँ एक दूसरे से जुड़ी रहें। विश्वास एक दूसरे को बान्धकर मजबूत रखता है। विश्वास करने के लिए दिल को उदार व हृदय को मजबूत बनाना पड़ता है। ऐसा नहीं हो तो परिवार टूटने में समय नहीं लगता है और घर नर्क बन जाता है। साधारण सा अविश्वास मौत का कारण बन जाता है और घर बिखर जाता है। इसलिए एक दूसरे के प्रति विश्वास का भाव, आत्मीयता एवं प्रेम से जीवन जीएँ। अपने जीवन में विश्वास को कभी भी कमजोर नहीं बनने दें। सामूहिक वर्षीतप के सभी आराधकों

को प्रभु महावीर एवं गुरुदेव भक्ति की शक्ति और सामर्थ्य प्रदान करे जिससे आगे भी वह तपोमय जीवन जीते हुए आत्मा का कल्याण कर सके।

प्रवचन पश्चात् वर्षीतप के सभी तपस्वियों को इक्षुरस से पारणा कराने लाभ शा. भँवरलालजी मेघराजजी सुराणा छत्रियावोरा, सुराणा मिलियन ग्रुप लिया। पधारे मेहमानों एवं गुरुभक्तों का स्वामीवात्सल्य आयोजित किया गया। दोपहर में संगीत की स्वरलहरियों के साथ री आदिनाथ पंचकल्याणक पूजा पढ़ाई गई। शाम को प्रभु की महाआरती की गई।

इस पावन प्रसंग पर निकटवर्ती ग्राम-नगरों से श्रीसंघ एवं विशाल संख्या में गुरुभक्तों के साथ तपस्वियों के परिजन पधारे।

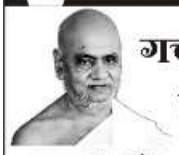

गच्छाधिपति की निश्रा में पारा में वर्षीतप पारणा व शोभायात्रा

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर धर्म दिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि की शुभ निश्रा में पारा नगर में प्रथम बार सामूहिक वर्षीतप पारणे का आयोजन विविध धार्मिक कार्यक्रमों के साथ किया गया। त्रिदिवसीय महोत्सव के अन्तिम दिन भव्य शोभायात्रा के पश्चात् आयोजन स्थल पर बनाई गई श्री सिद्धाचल नगरी में सभी 38 तपस्वियों के पारणे श्रीसंघ और परिषद् परिवारकी चारों इकाइयों के सहयोग से करवाए गए। पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के कथनानुसार कि 'तुम वर्षीतप कराओ मैं आऊँगा' परन्तु उनके देवलोकगमन के पश्चात् गच्छाधिपतिश्री ने उनके कथन को सत्य करते हुए इस पारणा महोत्सव में अपनी पावन निश्रा प्रदान करने की स्वीकृति प्रदान की।

इसके पूर्व सोमवार को नवकारसी का लाभ श्री मँवरलाल छाजेड़ परिवार द्वारा, स्वामीवात्सल्य का लाभ श्री अमृतलाल जैन परिवार द्वारा, दोपहर दादा गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरिजी की गुरुपद महापूजन का लाभ श्री प्रकाश राँका परिवार द्वारा, शाम की स्वामीभक्ति का लाभ श्री राकेश, मुकेश पगारिया परिवार द्वारा एवं अंगरचना एवं भक्ति का लाभ श्रीमती वालीबाई छाजेड़ परिवार द्वारा लिया गया। भक्ति के अन्तर्गत अक्षय तृतीया पर भगवान आदिनाथ का इक्षुरस से अभिषेक करने का लाभ श्री धनराजमल कोरा परिवार द्वारा लिया गया।

भव्य शोभायात्रा में आगे हाथी, घोड़े, ऊँट पर धर्मध्वजा लेकर एवं सुसज्जित बग्घी में दादा गुरुदेव एवं पुण्य-सम्राट की तस्वीर लेकर लाभार्थी परिवार बैठे और इनके पीछे गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरिजी म. सा. श्रमण-श्रमणिवृन्द के साथ निश्रा प्रदान कर रहे थे। समाज के प्रत्येक घर से गहुँजी की गई। शोभायात्रा नगर

के प्रमुख मार्गों से परिभ्रमण करती हुई बोरी रोड़ पर बनाए गए पारणा स्थल पर पहुँची जहाँ जयकारों की गूँज के साथ सभी तपस्वियों को गच्छाधिपतिश्री द्वारा वासक्षेप किया गया।

इस पारणा महोत्सव में विभिन्न प्रान्तों से लगभग 3 हजार लोग पधारे। नगर के वरिष्ठ एवं साधु-साध्वी वैयावच्च के प्रमुख श्री सुरेश कोठारी ने गुरुपद पूजन और आचार्यश्री को काम्बली वोहराने का लाभ लिया। वर्षीतप कर रही साध्वीश्री यशोलताश्रीजी एवं साध्वीश्री परमेश्वितताश्रीजी म. सा. के पारणे का लाभ काँठेड़ परिवार ने लिया। अक्षय तृतीया के दिन प्रातः नवकारसी का लाभ श्री प्रकाश तलेसरा परिवार, स्वामीवात्सल्य का लाभ श्री अनोखीलाल नाहटा परिवार तथा शाम की स्वामीभक्ति का लाभ श्री मँवरलाल कोठारी परिवार ने लिया।

पारणा महोत्सव में तपस्वियों को इक्षुरस वोहराने का लाभ श्री श्रेणिक, राजेन्द्र, सुनील पगारिया परिवार ने लिया एवं इसी परिवार के द्वारा धर्मसभा में उपस्थित सभी श्रावक-श्राविकाओं को श्री सिद्धाचलजी के पट्ट के समक्ष भावयात्रा करवाने का लाभ भी लिया गया। रात्रि में प्रभु अंगरचना और भक्ति का लाभ श्री धनराजमल व्होरा परिवार द्वारा लिया गया। सम्पूर्ण महोत्सव में जय जिनेन्द्र का लाभ श्री राकेश, मुकेश पगारिया परिवार द्वारा लिया गया।

योगी-वाणी

दो क्षण का क्रोध रिश्तों में दरार डाल देता है और भान होता है जब समय बीत जाता है। उचित समय पर पिए गए कड़वे घूँट जीवन में अमृत भर देते हैं।

मनुष्य वही श्रेष्ठ है जो बुरी स्थिति में फिसले नहीं और अच्छी स्थिति में उछले नहीं।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

आचार्य पदारोहण द्वितीय वर्षगाँठ पर पक्षियों के लिए परिण्डे वितरीत

उदयपुर (स. सं.),

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् एवं महिला परिषद्, बैंगलोर के संयुक्त तत्वावधान में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर धर्म दिवाकर, गच्छाधिपति श्री नित्यसेनसूरिजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक श्री जयरत्नसूरिजी म. सा. के आचार्य पदारोहण की द्वितीय वर्षगाँठ पर सामूहिक सामायिक के साथ ही श्री जयन्तसेनसूरि अष्टप्रकारी पूजा एवं प्रभु आँगी के बाद भीषण गर्मी में पक्षियों के पानी पीने के परिण्डों (मिट्टी के बर्तन) का वितरण किया गया।

महिला परिषद् अध्यक्ष श्रीमती प्रेमाबहिन मुथा एवं धार्मिक प्रचार मन्त्री श्री माँगीलालजी बेदमुथा ने बताया कि जीवदया के अन्तर्गत प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी ग्रीष्मऋतु में पक्षियों की सुविधार्थ यह कार्यक्रम आज विशेष दिवस पर किया गया। दाना-पानी नहीं मिलने पर इस भीषण गर्मी में पक्षी पानी के लिए भटकते हैं और नहीं मिलने पर तड़फ-तड़फ कर मृत्यु को पाते हैं। इसलिए परिषद् परिवार ने प्रत्येक मानव को आगाह किया है कि अपने-अपने घर पर पानी का बर्तन भरकर छत पर रखें। परिषद् के प्रत्येक परिवार को बर्तन वितरीत किए गए। इस अवसर पर दक्षिण प्रान्तीय अध्यक्ष श्री बाबूलाल सवाणी, अध्यक्ष श्री डूँगरमल चौपड़ा एवं श्री प्रकाश बालर ने कहा कि हर घर में बर्तन में पानी एवं कटोरी में दाना डालकर छत पर रखने से जो पुण्य प्राप्त होगा वह आपकी आत्मा का कल्याण करेगा। मन्त्री श्रीमती मधुबाला ने पधारे सभी परिषद् साथियों का आभार व्यक्त किया।

पेपराल तीर्थ पर मंगल आगमन

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की पावन जन्मस्थली पेपराल तीर्थ पर प. पू. आचार्य भगवन्त श्रीमद्विजय यशोविजयसूरीश्वरजी म. सा. आदि 150 श्रमण-श्रमणिवृन्द का मंगल पदार्पण दिनांक 1-5-2019 बुधवार को प्रातः 8 बजे बाजते-गाजते हुआ।

आचार्यश्री ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि पुण्य-सम्राट गुरुदेव से हमारा आत्मीय मिलन अनेकों बार हुआ। उनके द्वारा की गई जिनशासन की प्रभावना अनुमोदनीय और चिरस्मरणीय है। श्री जयन्तसेन शासन प्रभावक ट्रस्ट के द्वारा आचार्यश्री को काम्बली वोहराई गई। इस प्रसंग पर निकटवर्ती नगरों एवं स्थानीय गुरुभक्त उपस्थित थे।

आचार्यश्री के दर्शन कर लिया आशीर्वाद

उदयपुर (स. सं.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, एकता के प्रबल पक्षधर आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं मुनिराजश्री अशोकविजयजी म. सा. का उदयपुर स्थित कायातीर्थ में मंगल पदार्पण हुआ। जहाँ माय मिशन के संस्थापक एवं प्रधानाचार्य व गुरुभक्त संजय लुणावत एवं निदेशक शुभम जैन ने आचार्यश्री के दर्शन-वन्दन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

आचार्यश्री से चर्चा के दौरान निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग 'माय मिशन' की जानकारी देते हुए लुणावत ने बताया कि पिछले 3 वर्षों में लगभग 4000 विद्यार्थी निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं और लगभग 500 विद्यार्थी विभिन्न सरकारी सेवाओं में चयनित हो चुके हैं। उदयपुर में अन्य स्थानों से आए विद्यार्थियों के ठहरने आदि की व्यवस्था भी निःशुल्क की जाती है। इस संस्थान को पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के परम गुरुभक्त, समाजरत्न, नैत्रदानी स्व. श्री सुरेशचन्द्रजी लुणावत की स्मृति में स्थापित किया है। आचार्यदेवेशश्री ने अनुमोदना करते हुए आत्मीय आशीर्वाद प्रदान किया।

आचार्यश्री के दर्शनार्थ अनेक गुरुभक्तों का आगमन तीर्थ परिसर पर हुआ। आचार्यश्री यहाँ से उग्र विहार कर अहमदाबाद-आणन्द हाईवे पर बोरिआवी में दिनांक 15-5-2019 को श्री सूरि राजेन्द्र-जयन्तसेन गुरुकुल संस्थान के भूमिपूजन में एवं अहमदाबाद में होने वाले आत्मोद्धार-3 सामूहिक दीक्षा कार्यक्रम में निश्रा प्रदान करेंगे।

राजनगर आत्मोद्धार के मुमुक्षुओं का मुख्यमन्त्री रूपाणी ने किया बहुमान

उदयपुर (स. सं.),

राजनगर-अहमदाबाद में श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ, अहमदाबाद द्वारा आयोजित दिनांक 23 मई 2019 को प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर धर्म दिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, प्रवचनकार श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की पावन निश्रा में होने वाले आत्मोद्धार-3 के सभी मुमुक्षु रत्नों को गुजरात के मुख्यमन्त्री धर्मप्रेमी एवं सरलमना श्री विजयभाई रूपाणी ने सीएम हाऊस में आमन्त्रित किया। परन्तु कारणावशात 6 मुमुक्षुरत्न ही वहाँ पहुँच पाये। मुख्यमन्त्री निवास पर करीब एक घण्टे तक धर्मचर्चा में मुख्यमन्त्री श्री रूपाणीजी ने मुमुक्षुओं का स्वागत-अभिनन्दन करते हुए अपना आशीष एवं हितशिक्षा प्रदान करते हुए संयम जीवन की अनुमोदना कर उनका बहुमान किया गया।

मुमुक्षु रत्नों के साथ संघ, परिषद् एवं ज्ञानायतन परिवार के कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। स्मरण रहे कि पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की निश्रा में थराद में हुए आत्मोद्धार-सामूहिक दीक्षा महोत्सव में श्री विजयभाई रूपाणी की उपस्थिति रही थी। इस अवसर पर श्री प्रवीणभाई राजकोट भी उपस्थित थे।

दादा गुरुदेव का दीक्षा एवं आचार्य पद दिवस जीवदया के साथ मनाया

उदयपुर (स. सं.),

गुजरात के पाटण नगर में श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैनाचार्य, बृहद् अभिधान राजेन्द्र कोष के प्रणेता, विश्वपूज्य दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. का 170 वाँ दीक्षा एवं 150 वाँ आचार्य पद दिवस वैशाख शुक्ला पंचमी को त्रिस्तुतिक जैन संघ पाटण द्वारा प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में मनाया गया।

इस पुनीत प्रसंग पर त्रिस्तुतिक जैन संघ पाटण की ओर से पंचासरा पार्श्वनाथ भगवान के जिनालय में परमात्मा की और त्रिस्तुतिक उपाश्रय में दादा गुरुदेव की भव्य अंगरचना की गई एवं इढाटा (थराद) निवासी दोशी जीवनलाल राजमल भाई परिवार-अहमदाबाद की ओर से जीवदया के रूप में पशुओं को चारा वितरण किया गया।

आत्मोद्धार-3 के मुमुक्षुरत्नों का नडियाद में भव्य बहुमान

उदयपुर (स. सं.),

श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय थराद त्रिस्तुतिक जैन संघ, नडियाद द्वारा राजनगर अहमदाबाद में आयोजित आत्मोद्धार के मुमुक्षु रत्नों का भव्य बहुमान समारोह पूर्वक आयोजित किया गया।

प्रातः 9 बजे सभी मुमुक्षुओं ने गुरुमन्दिर में दर्शन-वन्दन कराने के पश्चात् सकल संघ के साथ आरती उतारी गई। यहाँ से बाजते-गाजते नगर का परिभ्रमण करते शोभायात्रा उपाश्रय में पहुँची।

उपाश्रय में मुमुक्षुओं का श्रीसंघ के वरिष्ठजनों ने भावपूर्वक बहुमान किया। उपस्थित प्रत्येक मुमुक्षु ने अपनी विशिष्ट शैली में आगमोक्त रूप से अपने सारगर्भित उद्गार व्यक्त करते हुए संयम मार्ग की विशेषता बताते हुए कहा कि इस मार्ग पर चल कर ही आत्मा अपना कल्याण कर सकता है। श्री धर्मचक्री वीतराग भक्ति मण्डल द्वारा संगीत की प्रस्तुति दी गई। समारोह के पश्चात् श्री थराद त्रिस्तुतिक जैन संघ का स्वामीवात्सल्य आयोजित किया गया।

धार में त्रिदिवसीय पुण्य-सम्राट धार्मिक समर केम्प सम्पन्न

उदयपुर (स. सं.),

विश्वपूज्य दादा गुरुदेवश्री के प्रशिष्य प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर धर्म दिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, प्रवचनकार श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आशीर्वाद एवं धार श्रीसंघ के सहयोग से धार

बालिका परिषद् द्वारा आयोजित द्विदिवसीय पुण्य-सम्राट धार्मिक समर केम्प समारोह के साथ सम्पन्न हुआ।इस समर केम्प में 70 बच्चों ने भाग लिया। तीनों दिन बच्चों ने प्रभु पूजा की एवं नवकारसी की। समर केम्प में तीनों दिन बच्चों को श्री अशोक मेहता, श्री मोहित तातेड़ एवं श्री आदित्य धोका ने अपने वक्तव्य के माध्यम से धार्मिक संस्कारों की ओर प्रेरित किया।

बच्चों ने धार्मिक गेम के माध्यम से खुलजा सिम-सिम खेल कर आकर्षक उपहार जीते। बच्चों ने धार्मिक ड्रामा, नृत्य, स्तवन एवं भाषण के माध्यम से सुन्दर प्रस्तुति के द्वारा जयणा पालन, खाते-पीते आयम्बिल का लाभ, नवकार मन्त्र की महत्ता आदि का महत्व बताया जिसका करतल ध्वनि से अनुमोदन किया गया। धार्मिक गेम जोड़ी मिलाओ खेलते हुए विजेता बालकों को उपहार प्रदान किए गए।

श्री आदित्य धोका ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए। धार्मिक चेयर रेस भी खेली गई। सभी बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार वितरीत किया गया। बालिका परिषद् धार की सभी सदस्याओं ने इस केम्प को सफल बनाने के लिए अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

परिषद् द्वारा ई. सी. जी. मशीन भेंट

उदयपुर (स. सं.),

पुण्य-सम्राट श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की द्वितीय वार्षिक पुण्यतिथि पुण्य सप्तमी के उपलक्ष्य में धर्म दिवाकर, गच्छाधिपति श्री नित्यसेनसूरिजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक श्री जयरत्नसूरिजी म. सा. की शुभ प्रेरणा से त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ एवं अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद्, टाण्डा द्वारा स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र टाण्डा को इ. सी. जी. मशीन प. पू. गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में भेंट की गई। इस अवसर पर श्रीसंघ एवं परिषद् परिवार के अनेक महानुभाव उपस्थित थे।

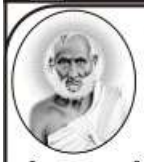

॥ श्री धानेरा मण्डनश्री शान्तिनाथाय नमः ॥
॥ विश्वपूज्य प्रभु श्रीमद्विजय राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेनसूरीश्वर गुरुभ्यो नमः ॥
॥ कृपासिन्धु योगिराजश्री शान्तिविजय गुरुभ्यो नमः ॥

गुजरात की धन्य धरा
श्री धानेरा नगरे

श्री भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री **जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.** व विदुषी साध्वीश्री **सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा.** आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द के

वर्षावास प्रवेश प्रसंगे **आमन्त्रण**

* शुभदिन *
आषाढ़ शुक्ला-12
13 JULY 2019
शनिवार

* दिव्यकृपा *

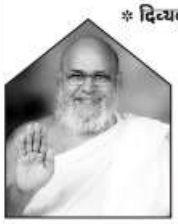

* आशीर्वाद *

प. पू. पुण्य-सम्राट श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा.

प. पू. कृपासिन्धु, योगिराज श्री शान्तिविजयजी म. सा.

प. पू. गच्छाधिपति श्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा.

मंगल कार्यक्रम

प्रातः 9 बजे : सामैया प्रारम्भ
श्री शीतलनाथ जैन मन्दिर, पारस सोसायटी
सभा स्थल- श्री शान्तिनाथ जैन मन्दिर, शान्ति बाजार

आचार्य भगवन्तश्री के पावन पदार्पण के शुभावसर पर आप सपरिवार श्रीसंघ सहित धानेरा पधारिये !

* चातुर्मास स्थल *
श्री लाधाणी जैन उपाश्रय (श्रमण भगवन्त)
श्री सबाणी उपाश्रय (श्रमणी भगवन्त)

* चातुर्मास आयोजक *
श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ-धानेरा
मु. पो.- धानेरा जिला- बनासकांठा (उ. गु.), श्री जैन संघ पेढ़ी - 02748-222241
सम्पर्क- श्री राजेन्द्रसूरि गुरु मन्दिर, मु. पो.- धानेरा, जिला- बनासकांठा (उ. गु.)

आचार्यदेवेश्री का विहारक्रम पट्टधरद्वय की निश्रा में भूमिपूजन

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, प्रवचनकार, जैनाचार्य श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार, मोटेरा में कुछ दिन स्थिरता कर दिनांक 12 मई 2019 को जास्का धाम पधारे। वहाँ से विहार करते 13 मई 2019 को नडियाद श्री राजेन्द्र गुरु मन्दिर में स्थिरता रही, यहाँ से विहार कर आचार्यश्री दिनांक 14 मई 2019 को आनन्द पधारे। जहाँ अनेक गुरुभक्तों का दर्शनार्थ आगमन हुआ।

कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने जानकारी देते हुए बताया कि आचार्यदेवेशश्री दिनांक 15 मई 2019 को मुम्बई-अहमदाबाद हाईवे नम्बर-8 पर श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट), श्री भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा संस्थापित बोरिआवी ग्राम में श्री राजेन्द्र-जयन्तसेन गुरुकुल का भूमि पूजन एवं निर्माण कार्य शुभारम्भ के कार्यक्रम धर्म दिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं आचार्यदेवेशश्री की पावन निश्रा में सम्पन्न होगा।

इस अवसर पर अनेक गुरुभक्तों का आगमन की सम्भावना है।। स्वामीवात्सल्य लाभार्थी मातुश्री केशीदेवी सागरमलजी कटारिया संघवी साँचौर तथा जय जिनेन्द्र लाभार्थी शाह श्री चम्पालालजी गेबचन्दजी सेठ, धानसा वाले है। भूमि पूजन के पश्चात् वहाँ से विहार कर आत्मोद्धार-3 में निश्रा प्रदान करने अहमदाबाद की ओर रहेगा।

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने वहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा संचालित

श्री भाण्डवपुर तीर्थ एवं क्षेत्रीय सभी श्रीसंघों के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों के सीधे समाचार प्राप्त करने एवं तीर्थ परिसर में आवासीय सुविधा हेतु अग्रिम बुकिंग आदि के लिए लिंक से जुड़िये

* रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक *
http://bhandavpur.com/registration-form/

SCAN ME

bhandavpur | bhandavpur@gmail.com
+91-7340009222 | www.bhandavpur.com
पेढ़ी +91-7340019702-3-4 | BTveer

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी
हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना- प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है। चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजे।

* लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। * सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th of every month.' Published 1st & 15th of every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री ....
....
....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित